International Journal of Science and Social Science Research
ISSN: 2583-7877 Peer Reviewed & Refereed Journal
Page No: 213-219 DOI: https://doi.org/10.63671/ijsssr.v3i3.502
Volume: 3 | Issue: 3
October-December 2025

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की परीक्षा के प्रति दुश्चिंता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव अध्ययन

वर्षा दीक्षित[1], डॉ0 कीर्तिबाला वर्मा[2]

शोधार्थी, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, म0प्र0, इंडिया

प्राचार्य, एच0आई0सी0टी0 कॉलेज, ग्वालियर, म0प्र0, इंडिया

Corresponding Author Email: kirtibalaverma@gmail.com

सारांश (Abstract)–वर्तमान शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि को अत्यधिक महत्व दिया जाता है, जिसके कारण परीक्षा का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। परीक्षा के प्रति यह बढ़ता हुआ महत्व विद्यार्थियों के मन में दुष्चिंता उत्पन्न करता है, जो एक सामान्य किन्तु गंभीर मनोवैज्ञानिक समस्या के रूप में उभर रही है। विशेष रूप से उच्चतर माध्यमिक स्तर पर, जहाँ भविष्य की दिशा निर्धारित होती है, विद्यार्थियों पर अच्छे अंक प्राप्त करने का दबाव अधिक होता है। परीक्षा दुष्चिंता ऐसी मानसिक अवस्था है, जिसमें विद्यार्थी परीक्षा के समय तनाव, भय तथा असुरक्षा का अनुभव करते हैं। यह स्थिति उनकी एकाग्रता, स्मरण शक्ति तथा आत्मविश्वास को प्रभावित करती है, जिससे उनकी वास्तविक क्षमता के अनुरूप शैक्षणिक प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। यदि दुष्चिंता का स्तर अधिक हो, तो यह विद्यार्थियों की उपलब्धि में बाधा उत्पन्न करती है, जबकि संतुलित स्तर की दुष्चिंता कभी–कभी प्रेरक के रूप में भी कार्य कर सकती है। अतः यह आवश्यक हो जाता है कि परीक्षा दुष्चिंता के स्वरूप एवं उसके प्रभाव को समझा जाए, ताकि विद्यार्थियों के लिए एक अनुकूल एवं सहयोगात्मक शैक्षिक वातावरण निर्मित किया जा सके। प्रस्तुत अध्ययन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो विद्यार्थियों की परीक्षा दुष्चिंता एवं उनकी शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य संबंध को समझने का आधार प्रदान करता है।

मुख्यशब्द (Key Words) : परीक्षा दुष्चिंता, शैक्षणिक उपलब्धि, उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थी, परीक्षा दबाव

I. प्रस्तावना (Introduction)

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के जीवन में परीक्षा एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है, क्योंकि इसी स्तर पर उनके भविष्य की दिशा निर्धारित होती है। इस कारण विद्यार्थियों पर अच्छे अंक प्राप्त करने का दबाव बना रहता है, जिससे उनमें परीक्षा के प्रति दुष्चिंता उत्पन्न हो जाती है। यह दुष्चिंता एक ऐसी मनोवैज्ञानिक अवस्था है, जो विद्यार्थियों की एकाग्रता, स्मरण शक्ति एवं आत्मविश्वास को प्रभावित करती है।

फलस्वरूप, परीक्षा के समय विद्यार्थी अपनी वास्तविक क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाते, जिससे उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए यह आवश्यक है कि परीक्षा दुष्चिंता एवं शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य संबंध का अध्ययन किया जाए, ताकि विद्यार्थियों के लिए अधिक अनुकूल एवं तनाव–नियंत्रित शैक्षिक वातावरण विकसित किया जा सके।

शिक्षा मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का प्रमुख आधार है, और विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण संकेतक मानी जाती है। वर्तमान समय में शिक्षा का स्वरूप अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक हो गया है, जहाँ विद्यार्थियों पर बेहतर अंक प्राप्त करने का दबाव निरंतर बना रहता है। इस दबाव के कारण विद्यार्थियों में परीक्षा के प्रति दुष्चिंता उत्पन्न होना एक सामान्य, किन्तु गंभीर समस्या बन गई है।

International Journal of Science and Social Science Research
ISSN: 2583-7877 Peer Reviewed & Refereed Journal
Page No: 213-219 DOI: https://doi.org/10.63671/ijsssr.v3i3.502
Volume: 3 | Issue: 3
October-December 2025

परीक्षा दुष्चिंता एक ऐसी मनोवैज्ञानिक अवस्था है, जिसमें विद्यार्थी परीक्षा के समय अत्यधिक तनाव, भय, असुरक्षा तथा आत्म–संदेह का अनुभव करते हैं। यह स्थिति उनके एकाग्रता स्तर, स्मरण शक्ति तथा निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती है, जिससे उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कई बार यह दुष्चिंता इतनी अधिक हो जाती है कि विद्यार्थी अपनी वास्तविक क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाते।

हालाँकि, कुछ शोध यह भी दर्शाते हैं कि मध्यम स्तर की दुष्चिंता विद्यार्थियों को अधिक सतर्क और परिश्रमी बनने के लिए प्रेरित करती है, जिससे उनकी उपलब्धि में सुधार संभव होता है। इस प्रकार, दुष्चिंता का प्रभाव पूर्णतः नकारात्मक न होकर उसकी तीव्रता पर निर्भर करता है।

उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत अध्ययन में यह समझने का प्रयास किया गया है कि परीक्षा के प्रति दुष्चिंता किस प्रकार विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित करती है। यह अध्ययन न केवल समस्या की गहराई को स्पष्ट करता है, बल्कि इसके समाधान के लिए उपयुक्त दिशा–निर्देश भी प्रदान करने का प्रयास करता है।

दुष्चिंता –दुष्चिंता एक मनोवैज्ञानिक अवस्था है, जिसमें व्यक्ति को किसी संभावित परिस्थिति, विशेषकर परीक्षा जैसे अवसरों के प्रति अत्यधिक भय, तनाव या असुरक्षा का अनुभव होता है। यह स्थिति व्यक्ति के मानसिक संतुलन, एकाग्रता तथा निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती है। विद्यार्थियों में परीक्षा के समय दुष्चिंता के कारण घबराहट, आत्मविश्वास में कमी तथा नकारात्मक विचार उत्पन्न हो सकते हैं, जो उनके प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं।

शैक्षणिक उपलब्धि –शैक्षणिक उपलब्धि से आशय विद्यार्थियों द्वारा अध्ययन के पश्चात प्राप्त ज्ञान, कौशल एवं अंकों के रूप में व्यक्त उनके प्रदर्शन स्तर से है। यह विद्यालयी परीक्षाओं, आंतरिक मूल्यांकन तथा अन्य शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से मापी जाती है। शैक्षणिक उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, अध्ययन आदतों, बौद्धिक क्षमता एवं मानसिक स्थिति पर निर्भर करती है।

II. शैक्षिक उपलब्धि से संबन्धित पूर्व शोध

1. **त्रिपाठी विकाश कुमार (2023)[1] ने माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का संचार माध्यमों के प्रति दृष्टिकोण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया।**

उद्देश्य

माध्यमिक स्तर के छात्रो का संचार माध्यमों के प्रति दृष्टिकोण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

- माध्यमिक स्तर के छात्राओं का संचार माध्यमों के प्रति दृष्टिकोण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं का संचार माध्यमों के प्रति दृष्टिकोण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

विधि

प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। न्यादर्श के रुप में मध्यप्रदेश के सतना जिले के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत 700 छात्र–छात्राओं का चयन किया गया। जिसमें 350 छात्र एवं 350 छात्राओं को समान रूप से लिया गया। शोध उपकरण के रुप में डॉ0 बी0पी0 भार्गव द्वारा निर्मित शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण मापनी का प्रयोग किया गया। सांख्यकीय प्रयोग के लिये मध्यमान, मानक विचलन एवं टी0 परीक्षण का प्रयोग किया गया।

निष्कर्ष

[1]त्रिपाठी विकाश कुमार (2023), माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का संचार माध्यमों के प्रति दृष्टिकोण का उनकी शैक्षिक उपलब्धिपर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन, शोध प्रबन्ध (शिक्षा), महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना, म0प्र0.

International Journal of Science and Social Science Research
ISSN: 2583-7877 Peer Reviewed & Refereed Journal
Page No: 213-219 DOI: https://doi.org/10.63671/ijsssr.v3i3.502
Volume: 3 | Issue: 3
October-December 2025

- माध्यमिक स्तर के छात्रो का संचार माध्यमों के प्रति दृष्टिकोण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।
- माध्यमिक स्तर के छात्राओं का संचार माध्यमों के प्रति दृष्टिकोण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।
- माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं का संचार माध्यमों के प्रति दृष्टिकोण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जाता है।

2. **नारायण शिव (2022)[2] ने शिक्षक प्रशिणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं कम्प्यूटर जागरूकता का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया।**

उद्देश्य

- शिक्षक प्रशिणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
- शिक्षक प्रशिणार्थियों की कम्प्यूटर जागरूकता का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
- शिक्षक प्रशिणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं कम्प्यूटर जागरूकता का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

विधि

प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। न्यादर्श के रूप में भोपाल जिले के 500 बी0एड0 शासकीय एवं अशासकीय प्रशिणार्थियों का चयन किया गया। जिसमें 250 बी0एड0 शासकीय प्रशिणार्थियों तथा 250 बी0एड0 अशासकीय प्रशिणार्थियों को समान रूप से लिया गया। उपकरण के रूप में डॉ0 के0एस0 मिश्रा द्वारा निर्मित संवेगात्मक बुद्धि परीक्षण एवं नेतृत्व प्रभाविता के लिये शोधार्थी द्वारा स्वनिर्मित मापनी का प्रयोग किया गया। सांख्यकीय प्रयोग के लिये मध्यमान, मानक विचलन एवं टी0 परीक्षण का प्रयोग किया गया।

निष्कर्ष

- शिक्षक प्रशिणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
- शिक्षक प्रशिणार्थियों की कम्प्यूटर जागरूकता का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
- शिक्षक प्रशिणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं कम्प्यूटर जागरूकता का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

III. शोध कार्य के उद्देश्य

1. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा के प्रति दुश्चिंता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा के प्रति दुश्चिंता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।

IV. शोध कार्य की परिकल्पनाऐं

[2] नारायण शिव (2022), शिक्षक प्रशिणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं कम्प्यूटर जागरूकता का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन, शोध प्रबन्ध, (शिक्षा शास्त्र), आर0के0डी0एफ0 विश्वविद्यालय, भोपाल, म0प्र0।

International Journal of Science and Social Science Research
ISSN: 2583-7877 Peer Reviewed & Refereed Journal
Page No: 213-219 DOI: https://doi.org/10.63671/ijsssr.v3i3.502
Volume: 3 | Issue: 3
October-December 2025

1. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा के प्रति दुश्चिंता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
2. अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा के प्रति दुश्चिंता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

V. शोध विधि (Research Methodology)

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। तथा समष्टि के रूप में ग्वालियर जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 11वीं एवं 12वीं के 800 विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में चयनित किया है।

VI. परिसीमन (Delimitation)

1. **क्षेत्र की दृष्टि से :–** यह अध्ययन ग्वालियर जिले तक सीमित है।
2. **जनसंख्या की दृष्टि से :–** प्रस्तुत अध्ययन में ग्वालियर जिले के शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से 800 विद्यार्थियों को चुना गया।
3. **विद्यालय की दृष्टि से :–** प्रस्तुत अध्ययन शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयो तक सीमित है।

VII. प्रयुक्त उपकरण (Tools used)

शैक्षणिक उपलब्धि मापनी :– शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत शोध अध्ययन में विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि के मापन का अध्ययन करने के लिये डॉ0 टी0आर0 शर्मा द्वारा निर्मित शैक्षणिक उपलब्धि मापनी का प्रयोग किया गया है।

VIII. निष्कर्ष

1. **परिकल्पना Ho-1 : शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा के प्रति दुश्चिंता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।**

सारणी क्रमांक – 01

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा के प्रति दुश्चिंता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का मध्यमान, प्रामणिक विचलन एवं टी का मानशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा के प्रति दुश्चिंता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि के आधार पर मध्यमान, प्रामाणिक विचलन एवं टी का मान

शासकीय छात्र		शासकीय छात्राऐं		टी का मान	स्वतंत्रता अंश	सार्थकता स्तर
मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन			0.01 स्तर पर t का मान 2.60
(M)	(S.D.)	(M)	(S.D.)	(t)	(df)	
31.07	04.79	29.74	04.92	2.74	398	

उपरोक्त सारिणी से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा के प्रति दुष्चिंता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव समान नहीं है। प्राप्त टी–मूल्य 2.74 है, जो 0.01 स्तर के लिए निर्धारित 2.60 से अधिक है। अतः सार्थक

International Journal of Science and Social Science Research
ISSN: 2583-7877 Peer Reviewed & Refereed Journal
Page No: 213-219 DOI: https://doi.org/10.63671/ijsssr.v3i3.502
Volume: 3 | Issue: 3
October-December 2025

है। अर्थात् छात्र एवं छात्राओं के बीच परीक्षा के प्रति अलग–अलग भावनात्मक प्रतिक्रिया, अध्ययन के तरीकों में अंतर, तथा आत्मविश्वास एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा के स्तर में विविधता सम्मिलित हो सकती है। इसके अतिरिक्त पारिवारिक परिवेश एवं व्यक्तिगत अध्ययन अनुशासन भी शैक्षणिक उपलब्धि को अलग–अलग ढंग से प्रभावित करते हैं, जिसके कारण दुष्चिंता का प्रभाव दोनों समूहों में समान रूप से नहीं दिखाई देता। अर्थात् शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा के प्रति दुश्चिंता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

अतः परिकल्पना Ho-1 अस्वीकृत होती है।

ग्राफ क्रमांक – 01

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा के प्रति दुश्चिंता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि के आधार पर मध्यमान एवं प्रामाणिक विचलन का मान

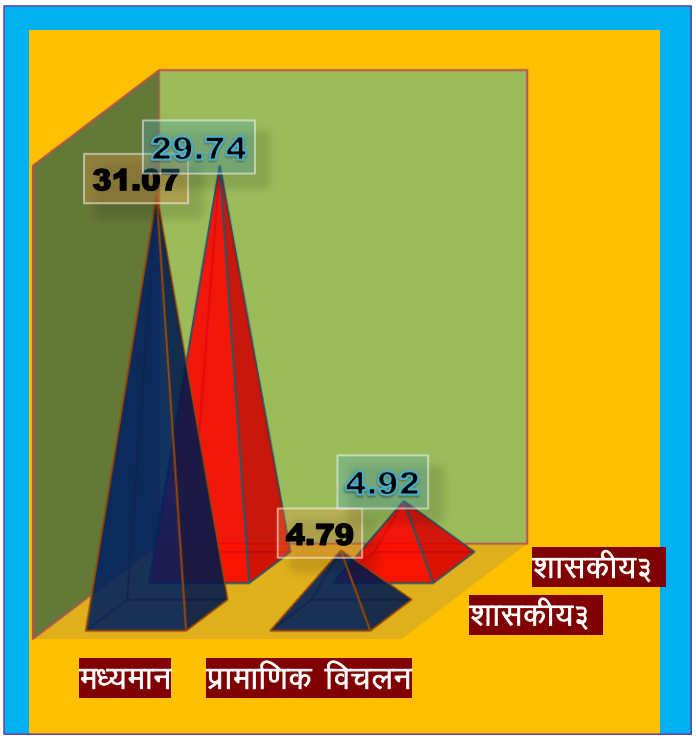

2. परिकल्पना Ho-2 : अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा के प्रति दुश्चिंता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

सारणी क्रमांक – 02

अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा के प्रति दुश्चिंता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि के आधार पर मध्यमान, प्रामाणिक विचलन एवं टी का मान

अशासकीय छात्र		अशासकीय छात्राऐं		टी का मान	स्वतंत्रता अंश	सार्थकता स्तर
मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन			0.01 स्तर पर t का

International Journal of Science and Social Science Research
ISSN: 2583-7877 Peer Reviewed & Refereed Journal
Page No: 213-219 DOI: https://doi.org/10.63671/ijsssr.v3i3.502
Volume: 3 | Issue: 3
October-December 2025

(M)	(S.D.)	(M)	(S.D.)	(t)	(df)	मान 2.60
30.44	04.87	29.13	04.85	2.69	398	

उपरोक्त सारिणी से अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा के प्रति दुष्चिता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव समान नहीं है। प्राप्त टी–मूल्य 2.69 है, जो 0.01 स्तर के लिए निर्धारित 2.60 से अधिक है। अतः सार्थक है। अर्थात् छात्र एवं छात्राओं के मध्य परीक्षा के प्रति दुष्चिंता का प्रभाव समान नहीं है। दोनों समूहों में भावनात्मक प्रतिक्रिया, अध्ययन की शैली, तथा उपलब्धि अभिप्रेरणा के स्तर में भिन्नता पाई जाती है, जिसके कारण उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर दुष्चिंता का प्रभाव अलग–अलग रूप में परिलक्षित होता है। परिणामस्वरूप, अशासकीय विद्यालयों में दुष्चिंता का प्रभाव दोनों समूहों में समान न होकर सार्थक रूप से भिन्न पाया जाता है। अर्थात् अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा के प्रति दुश्चिंता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

अतः परिकल्पना Ho-2 अस्वीकृत होती है।

ग्राफ कमांक – 02

अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा के प्रति दुश्चिंता का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि के आधार पर मध्यमान एवं प्रामाणिक विचलन का मान

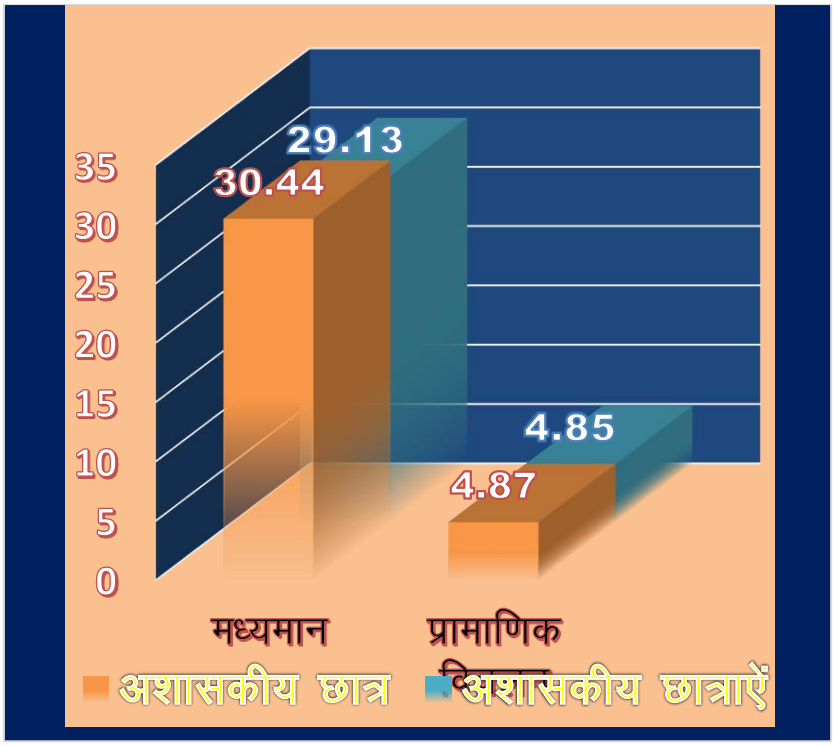

International Journal of Science and Social Science Research
ISSN: 2583-7877 Peer Reviewed & Refereed Journal
Page No: 213-219 DOI: https://doi.org/10.63671/ijsssr.v3i3.502
Volume: 3 | Issue: 3
October-December 2025

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. भटनागर ए.बी., भटनागर अनुराग, अधिगमकर्त्ता के रूप में विकास, आर. लाल बुक डिपो., मेरठ, संस्करण (2017) , पृ. क्रमांक
2. पचौरी प्रो. गिरीश, अधिगमकर्त्ता के रूप में विकास, आर. लाल बुक डिपो., मेरठ, संस्करण (2016) पृ. क्रमांक 319.
3. त्रिपाठी विकाश कुमार (2023), माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का संचार माध्यमों के प्रति दृष्टिकोण का उनकी शैक्षिक उपलब्धिपर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन, शोध प्रबन्ध (शिक्षा), महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना, म0प्र0.
4. नारायण शिव (2022), शिक्षक प्रशिणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं कम्प्यूटर जागरूकता का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन, शोध प्रबन्ध, (शिक्षा शास्त्र), आर0के0डी0एफ0 विश्वविद्यालय, भोपाल, म0प्र0।